

दैनिक भास्कर



55 साल की विरासत को आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ा रहे शेफ मोहम्मद हुसैन तीन पीढ़ियों की मेहनत से बनी लजीज हकीम



शेफ मोहम्मद हुसैन
"लजीज हकीम"



लजीज हकीम की कहानी वर्ष 1971 से शुरू होकर आज तीन पीढ़ियों की मेहनत, सीख और बदलते समय के साथ आगे बढ़ने की प्रेरक यात्रा बन चुकी है। संस्थापक स्वर्गीय हकीमुद्दीन साहब ने जिस परंपरा और स्वाद की नींव रखी थी, उसे दूसरी पीढ़ी के ताहिर हुसैन ने आगे बढ़ाया और अब तीसरी पीढ़ी के शेफ मोहम्मद हुसैन इस विरासत को आधुनिक सोच और प्रोफेशनल दृष्टिकोण के साथ नई पहचान देने में जुटे हैं। शेफ मोहम्मद हुसैन ने हॉस्पिटैलिटी और कुलिनरी एजुकेशन के क्षेत्र में प्रोफेशनल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने अनुभव और आधुनिक तकनीकों को लजीज हकीम की पारंपरिक पहचान के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। उनका ध्यान स्वादिष्ट भोजन तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कुलिनरी स्किल्स, गेस्ट एक्सपीरियंस, हॉस्पिटैलिटी सिस्टम और प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स को लगातार बेहतर बनाने पर है। शेफ मोहम्मद हुसैन ने रेस्टोरेंट ऑपरेशंस, कुलिनरी ट्रेनिंग, फूड प्रिपेरेशन, गेस्ट एक्सपीरियंस और टीम डेवलपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है।

शेफ मोहम्मद हुसैन का मानना है कि किसी रेस्टोरेंट की पहचान केवल उसके भोजन से नहीं, बल्कि उसके लोगों, सेवा, स्वच्छता, अनुशासन और अतिथि के अनुभव से भी बनती है। लजीज हकीम की विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को कुलिनरी और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जोड़ना भी इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी सोच से मोहम्मद हुसैन कुलिनरी अकादमी के माध्यम से कुलिनरी एजुकेशन, वर्कशॉप्स और प्रोफेशनल लर्निंग को आगे बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है। शेफ मोहम्मद हुसैन के लिए परिवार और विरासत केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि भविष्य की जिम्मेदारी भी है। उनका प्रयास है कि 1971 से चली आ रही लजीज हकीम की पहचान को उसकी मूल भावना के साथ बनाए रखते हुए बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाए। आज लजीज हकीम केवल एक रेस्टोरेंट के रूप में नहीं, बल्कि फूड, हॉस्पिटैलिटी, कुलिनरी लर्निंग, पीपल और एक्सपीरियंस से जुड़े एक व्यापक ब्रांड इकोसिस्टम के रूप में विकसित हो रहा है। 55 वर्षों की इस यात्रा में विरासत को संभालना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है, उसे अगली पीढ़ी के लिए प्रासंगिक बनाए रखना।



सफलता का शिखर

- तीन पीढ़ियों से हॉस्पिटैलिटी और कुलिनरी क्षेत्र में निरंतर सफर
- रेस्टोरेंट संचालन और गेस्ट एक्सपीरियंस को आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित करने का प्रयास किया।
- परंपरा, अनुभव, हॉस्पिटैलिटी और आधुनिक सोच के समन्वय के साथ आगे बढ़ने का निरंतर प्रयास



उपलब्धियां जिनसे मिली पहचान

- शेफ प्रतियोगिता में अपनी खास बिरयानी रेसिपी से पहला स्थान हासिल किया।
- लंदन की यूनिवर्सिटी ऑफ सरे और यूनिवर्सिटी कॉलेज बर्मिंघम से शिक्षा प्राप्त कर आधुनिक कुकिंग और हॉस्पिटैलिटी में विशेषज्ञता हासिल की।
- पारंपरिक स्वाद, बेहतरीन गुणवत्ता और खास मेहमाननवाजी के कारण ग्राहकों के बीच भरसोमद पहचान बनाई।



परिवार का योगदान

- लजीज हकीम की यात्रा केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है। इसके पीछे परिवार की कई पीढ़ियों की मेहनत, विश्वास और निरंतर सहयोग रहा है।
- इसी योगदान ने एक छोटे से प्रयास को वर्षों में एक पहचान में बदलने में भूमिका निभाई।



जीवन के मंत्र

- हर दिन कुछ नया सीखना, अपनी गलतियों से बेहतर होना और हॉस्पिटैलिटी को केवल सेवा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में समझना।



समाज को संदेश

- अपनी जड़ों और पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को सीखने, कौशल विकसित करने और अपने क्षेत्र में ईमानदारी से आगे बढ़ने के अवसर मिलते रहने चाहिए।
- विरासत तभी जीवित रहती है, जब उसे अगली पीढ़ी ज्ञान, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाती है।